खबर संक्षेप

प्रशासन आपके द्वार शिविर में ग्राम स्तरीय योजनाओं की समीक्षा, 8 आवेदन प्राप्त

मण्डला। ग्राम पंचायत गुड़ाअंजनिया में "प्रशासन आपके द्वार" अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत गुड़ाअंजनिया, गुरारखेड़ा, मधुपुरी, घुघरा, बरवांगी, ओहरटेपरी एवं सुकतरा के सचिव, स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती सोनल सिडाम एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मंडला श्रीमती प्रतिमा शुक्ला द्वारा विभिन्न विभागों की योजनावार समीक्षा की गई। पीएचई विभाग को 13 बंद हैंडपंपों का शीघ्र सुधार कराने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के प्रगतिरत आवासों को 31 मई तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। हितग्राही आवास की राशि प्राप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं कराने वालों के विरुद्ध वसूली प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए। वनाधिकार दावों के निराकरण एवं सामुदायिक वन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जल गंगा संवर्धन योजना अंतर्गत तालाबों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने तथा कृषि विभाग को नरवाई प्रबंधन के प्रचार-प्रसार एवं कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मधुपुरी लैम्प्स क्षेत्र के लगभग 5 हजार किसानों की फसल आईडी समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। शिविर में महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

ग्रामीणों ने श्रमदान से साफ किया कुंआ, जन अभियान परिषद पर श्रेय लेने के आरोप

पानी के लिये जूझता खरखरा गांव

*** ग्रामीण बोले सफाई हमने की फोटो खिचवाने पहुंचे जिम्मेदार।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

निवास जनपद अंतर्गत सुखरी संग्राम पुर पंचायत का पोषक ग्राम खरखरा जिसकी आबादी लगभग ढाई सौ के लगभग है यहाँ के निवासी आज भी कई दशकों पुराने कुंवे के पानी पर आश्रित हैं, वर्तमान में इसके अलावा इनके पास कोई जल स्त्रोत नहीं है जिससे इनको पीने का स्वच्छ पानी मिल सके।

प्रदेश की जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने केंद्र और प्रदेश सरकार के लाख दावों के वावजूद जिले की अधिकांश ग्रामीण जनता आज भी बूंद बूंद पीने के पानी को मोहताज है, जबकि जिले में दर्जनों एन जीओ व केंद्र और प्रदेश सरकार के अनेकों विभाग ग्रामों में जलापूर्ति करने अब तक अरबों की राशि खर्च कर चुके हैं इसके बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों की जनता पर्याप्त स्वच्छ पीने के पानी को मोहताज है। भीषण गर्मी में ग्रामीण पीने के एक गिलास पानी को तरस रहे हैं, एक कुआँ जिससे आधे घंटे में महज एक लीटर पानी मिल पा रहा था पानी का स्त्रोत बढ़ाने ग्रामीण जमी गाद हटाने एकजुट होकर कुंवे की सफाई की, परंतु उक्त कुंवे के जल स्त्रोत में वृध्दि तो नहीं हुई, लेकिन इसमें भी जन अभियान परिषद के जिम्मेदारों ने अपना (जल गँगा संवर्धन) का बैनर दिखा अपने भृष्ट कर्तव्यों में वृद्धि करने में चूक नहीं की, और शोषल मीडिया में कुछ फोटो वायरल कर अपने को भागीरथ समझ बैठे।

हालात बिगड़ने के पहले क्यों नहीं जागते जिम्मेदार

हरिभूमि निवास प्रतिनिधि

जब उक्त ग्राम पहुँचे तो एक घर के लोग उन्हें एक गिलास से ज्यादा पानी पिलाने से मना कर दिया,इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उक्त ग्राम में जल संकट कितना भयावह है।

बड़ा सवाल यह कि शासन प्रशासन और अनेकों संस्थायें गर्मी आने के पहले संकट ग्रस्त ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजलापूर्ति की उचित व्यवस्था क्यों नहीं करतीं, और क्यों जन अभियान परिषद के लोग जनता व शासन प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने की फिराक में रहते हैं। ग्रामीणों ने एकमत होकर बताया कि हमारे द्वारा दिनांक 21/05/2026 को सुबह के समय कुँवा की सफाई करने के अंतिम चरण में किसी माध्यम से जानकारी मिलने पर जन अभियान परिषद के 3 से चार युवक आये और दो चार तगाड़ी मलवा (कीचड़) फेकने के बाद हमारे बीच खड़े होकर अपनी संस्था का बैनर दिखाते हुये फोटो खींचवाई और अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर चले गये।

नाव-डोंगियों का होगा अनिवार्य पंजीयन, व्हाट्सऐप ग्रुप से साझा होगी मौसम की जानकारी

*** संवेदनशील पुल-पुलियों पर बैरिकेटिंग और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आगामी वर्षाकाल के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा संसाधनों की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ के कारण संपर्क टूटने वाले गांवों की सूची 31 मई तक तैयार की जाए। प्रत्येक गांव में स्थानीय तैराकों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करें।

कलेक्टर श्री धोटे ने जिले में संचालित सभी नाव एवं डोंगियों का अनिवार्य रूप से पंजीयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाव-डोंगी संचालकों का एक समर्पित व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया जाए, जिसके माध्यम से मौसम संबंधी महत्वपूर्ण अलर्ट और सूचनाएं समय-समय पर साझा की जा सकें।

बैठक में वर्षाकाल के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित सुधार कार्य के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए। सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में इमरजेंसी दवाइयों, आवश्यक उपकरणों और मेडिकल स्टाफ की चौबीस घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

कलेक्टर श्री धोटे ने संभावित आपदा प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न भंडारण की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पशुओं के लिए चारा, दवाइयों एवं उपचार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा पशुहानि की स्थिति में आर्थिक सहायता संबंधी प्रकरण समय पर तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने वर्षाकाल के दौरान जलभराव और तेज बहाव वाले संवेदनशील पुल-पुलियों एवं मार्गों की पहचान कर वहां चेतावनी बोर्ड, संकेतक एवं बैरिकेटिंग लगाने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि आपदा की स्थिति में त्वरित सूचना एवं समन्वय के लिए जिले में 24×7 जिला स्तरीय कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा, जिसके माध्यम से समय-समय पर मौसम एवं आपदा संबंधी अलर्ट जारी किए जाएंगे।

आत्मनिर्भर गाँव की दिशा में कदम, आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक में कृषि नवाचारों पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कृषि के क्षेत्र में नवाचार, उन्नत तकनीकों के विस्तार तथा स्थानीय कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जिले में आत्मनिर्भर गाँव की अवधारणा को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों के अनुभवों को एक साझा मंच

उपलब्ध कराया जाए, ताकि अन्य किसान भी आधुनिक एवं लाभकारी खेती की तकनीकों से प्रेरित होकर उनका लाभ उठा सकें। कलेक्टर श्री धोटे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों तक वैज्ञानिक एवं नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी निरंतर पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर कृषि प्रदर्शन और प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से किसानों को उन्नत खेती के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाना चाहिए। किसानों की आय में वृद्धि और खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री धोटे ने जिले में मल्टी लेयर कृषि को बढ़ावा देने के विशेष निर्देश दिए। बैठक में घटकवार लक्ष्य एवं उपलब्धियों, वार्षिक भौतिक एवं वित्तीय कार्ययोजना, कृषि प्रदर्शन, एलाइट प्रदर्शन, चारा उत्पादन, जिमीकंद की खेती, मुर्गी पालन, बकरी पालन तथा हरी खाद के उपयोग जैसे विषयों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने उपसंचालक कृषि को निर्देश दिए कि जिले के सभी निजी खाद विक्रेताओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को शासन द्वारा निर्धारित दरों पर ही खाद उपलब्ध कराया जाए। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली अथवा कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदर्शन | कृषि विभाग के प्रभारी उपसंचालक के खिलाफ किसान कांग्रेस का प्रदर्शन।

पुतला दहन कर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

*** गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में किसानों की विभिन्न समस्याओं और कृषि विभाग में कथित भ्रष्टाचार को लेकर शुक्रवार को किसान कांग्रेस ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चिलमन चौक स्थित कृषि विभाग कार्यालय पहुंचकर प्रभारी उपसंचालक कृषि अशवनी झारिया का पुतला दहन किया तथा जमकर नारेबाजी करते हुए किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे। इस अवसर पर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, जनपद पंचायत मंडला अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी, कांग्रेस नेता अभिनव नट्टू चौरसिया तथा किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ठाकुर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

किसान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जिले में गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। किसानों को

स्लॉट बुकिंग नहीं मिल रही, जबकि कई किसानों की स्लॉट बुकिंग होने के बावजूद बारदाना उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इसके कारण किसान मजबूरी में अपना गेहूं खुले बाजार में कम दामों पर बेचने को विवश हैं।

जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ठाकुर ने कहा कि पिछले 20-25 दिनों से स्लॉट बुकिंग बंद पड़ी है और प्रशासन केवल तारीख बढ़ाकर किसानों को गुमराह कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गेहूं नहीं बिक पाने के कारण बैंक एवं समितियों से ऋण लेने वाले किसानों को डिफाल्टर घोषित किए जाने की स्थिति बन रही है।

किसान कांग्रेस ने कृषि विभाग के अधिकारियों पर शासन की योजनाओं में भ्रष्टाचार करने, खाद-बीज वितरण में अनियमितता बरतने तथा किसानों तक योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि जिले में यूरिया एवं डीएपी खाद की भारी कमी बनी हुई है, जबकि बाजार में नकली खाद एवं बीज खुलेआम बेचे जा रहे हैं। इसके बावजूद विभागीय अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान कृषि विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई तथा भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर प्रभारी उपसंचालक अशवनी झारिया का पुतला फूंका गया। किसान कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

किसान कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि गेहूं खरीदी तत्काल सुचारु कराई जाए, सभी किसानों को स्लॉट उपलब्ध कराया जाए, खाद-बीज की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो तथा नकली खाद-बीज बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/तह./प्रवा./2026/87
नैनपुर दिनांक-19/05/2026
प्र.क्र.-..........(अ-20(3)
// इश्तहार //

एतद् द्वारा आम जनता सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम झूलपुर तहसील नैनपुर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है कि ग्राम झूलपुर प.ह.नं.... रा.नि.मं. डिठौरी में स्थित भूमि ख.नं. 464 रकबा क्रमशः 011 हेक्टेयर में से रकवा 0.04 हे.में से 433 वर्ग मीटर हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदक/विभाग संस्था महिला बाल विकास के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 02/06/2026 को दिन के 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार नैनपुर
जिला मण्डला

खबर संक्षेप

तेज आवाज वाले बाइकर्स के खिलाफ की जा रही कार्यवाही में सालीचौका क्षेत्र से परहेज क्यों....?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

शहर से लेकर क्षेत्र की सड़को पर दौड़ने वाले दो पहिया से लेकर चार पहिया वाहनों मे जिस तरह यातायात नियमों को दर किनार करते हुये प्रेशर हार्न का चलन आम नागरिकों के लिये परेशानी का सबब बन रहा है। उसमें मुख्य रूप से कान फोडू आवाज वाले इन प्रेशर हार्न से कई बार राह चलते लोग भौचक रह जाते है तथा कभी कभी अपना संतुलन खो देते है। मुख्य रूप से मोटर साईकिल, आटों व अन्य छोटे बड़े वाहनों यहां तक कि ट्रक आदि चार पहिया वाहनों मे इन दिनों तेज आवाज वाले प्रेशर हार्न लगाने का फेशन सा चल पड़ा है। लेकिन प्रेशर हार्न से राह गुजरते लोगों को कई बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता है,एक ओर इन प्रेशर हार्नों की वजह से अधिक शोर गुल तो होता ही है। वही कई बार राह चलने वाले इन तेज आवाज वाले हार्न से भौजक रह जाते है और कभी कभार अपना संतुलन भी खो बैठते है। दफ्तरों के कर्मचारी भी परेशान- आम नागरिकों के अलावा आफिस दफ्तरों मे काम कर रहे कर्मचारी अधिकारी भी इन तेज आवाज के प्रेशर हार्न से विचालित हो जाते है जिसके कारण अनायास ही उनका ध्यान इन प्रेशर हार्न की ओर जाता है जिसके कारण उनके काम पर भी बुरा असर पड़ता है। वही नगर की प्रमुख सड़क के किनारे स्थित शासकीय चिकित्सालय मे भर्ती मरीजों को भी इन हार्नो के चलते परेशानियों से गुजरना पड़ता है। वही शिक्षा सत्र के दौरान स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की स्थिति तो और खराब ही रहती है। युवा वर्ग मे अधिक क्रेज-प्रेशर हार्न के स्टाईलिश हार्न का क्रेज युवा वर्ग मे अधिक है जो फर्राटे भरते हुए अपने दो पहिया वाहनों मे तेज आवाज और स्टाइलिश वाहनों का इस्तेमाल करते है। शौकिन युवा वर्ग ऐसे महंगे प्रेशर हार्न को अपने वाहन मे लगाना अपनी शान समझते है तथा सुबह पांच बजे से ही अपने वाहनों में लगे इन हार्नो को सड़क छाप मंजनुओं की तरह स्कूल व कोचिंग तथा टियूशन जाने वाली छात्राओं के आगे पीछे घूमकर उन्हें परेशान करने लगते है। ट्रको मे भी होते है इस्तेमाल- दो पहिया वाहनों के अलावा लम्बी दूरी के सफर करने वाल ट्रकों मे भी प्रेशर हार्न का प्रयोग किया जा रहा है, प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में कोयला भरकर यहां के स्कूलो, थाना सहित चिकित्सालय के सामने से गुजरते है। इस प्रकार से कुल मिलाकर इन तेज आवाज वाले कान फोडू स्टाईलिश प्रेशर हार्न मे जहां कोलाहल बढ़ रहा है वही आम नागरिकों को कई बार दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा जिसको लेकर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे इस समय बडे बडे शहरों में लगातार मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की जा रही है। मगर इस कार्यवाही से सालीचौका क्षेत्र से परहेज किया जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। क्योंकि इस तरह तेज हार्न वाले वाहनों की मनमानी से सिर्फ बडे शहरों में रहने वाली लोग ही नही बल्कि छोटे कस्बों में निवास करने वाले लोग भी परेशान होने से नही चूक रहे है। क्षेत्र के लोगों द्वारा कान फोडू साईलेंसर तथा तेज हार्न वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की जा रही है।

चंद वर्ष पहले लाखों की राशि खर्च करते हुये गांव गांव बनाये गये अमृत सरोवर तालाब में गर्मी के दिनों की बात तो दूर बारिश में तक नहीं पहुंच पाता है पानी, यह सच्चाई जल संवर्धन अभियान पर खड़े कर रही सवाल....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर जिस तरह से सरकारी धन खर्च किया जा रहा है उसके चलते यदि उस धन को अधिकारियों के द्वारा मात्र 75 प्रतिशत भी निष्ठा के साथ विकास कार्यों में लगाया जावे तो गांवों व क्षेत्र की सूरत बदलने में देर नही लगेगी। मगर जब जिम्मेदार अधिकारी ही पंचायतों में होने वाली गफलत बाजी में अनदेखी करने लगेगे तो फिर विकास कार्यों की कल्पना करना कहा तक संभव हो सकता है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पंचायतों के विकास कार्य वहां के सरपंच सचिवों के माध्यम से कराये जाते है। मगर उन पर नजर रखने के लिये जहां जनपद स्तर से इंजीनियर होते है। वही दूसरी ओर ब्लाक से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा उन विकास कार्यों का समय समय पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुये गुणवत्ता पर पैनी नजर रखने की जिम्मेदारी होती है। यदि इसके बाद भी किसी विकास कार्य में गुणवत्ता को दर किनार किया जाता है तो यह बात अपने आप ही उजागर करते होने से नही चूक पाती है कि इस गफलबाजी में जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों की मिली भगत का परिणाम प्रतीत होने से नही चूक पाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रहा है। जहां पर लगभग तीन साल पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अमृत सरोबर तालाबो के नाम सरकार के लाखों रूपया तो खर्च कर दिये गये है। मगर उन सरोबरों का हाल यह बना हुआ है कि गर्मी के दिनों की बात तो दूर बारिश के दिनों में भी पानी भरने की कल्पना कर पाना मुश्किल होने से नही चूक पाता है..? इस सच्चाई को देखते हुये इस समय चलाये जा रहे जल संबर्धन अभियान पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है...? लोगों का कहना है कि जब बचाने के नाम पर इस तरह सरकारी धन की होली कब तक जारी रहेगी....? एक ओर सरकार द्वारा जल संरक्षण मुहिम चलाते हुये राशि खर्च की जा रही है। मगर कागजों पर चल रहे जल संरक्षण में क्या सफलता अर्जित करने की उम्मीद करना संभव हो सकता है..? ग्रामीण क्षेत्रों के जल स्तर पर सुधार लाने के साथ साथ गर्मी के दिनों में मूक पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध कराने की सोच के चलते चिन्हित की गई पंचायतों के लिये अमृत सरोबर तालाब के लिये राशि स्वीकृत की गई थी। सरकार की सोच थी कि इन तालाबों के निर्माण से जहां गांवों में जमीन के नीचे के जल स्तर में सुधार देखने मिलेगा, वही दूसरी ओर मवेशियों के लिये पीने का पानी उपलब्ध हो जावेगा। मगर इन अमृत सरोबरों के निर्माण के नाम पर पंचायतों द्वारा सरकारी धन की होली किस तरह खेली गई इस सच्चाई को चीचली जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत में देखने मिल रहा है। जहा पर पंचायत द्वारा बनाये गये इन अमृत सरोबर तालाब में इस समय एक बूंद पानी नजर आने की बात तो दूर सरकारी धन को खर्च करते हुये तालाब के अंदर पुराने पेड़ निर्माण के नाम पर पंचायत द्वारा की गई खुदाई की सच्चाई को अपने आप ही उजागर करते हुये देखे जा रहे है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत म.प्र. शासन द्वारा वर्ष 2022-2023 के तहत स्वीकृत किया गया था। वही दूसरी ओर कार्य की प्राक्कलित राशि 24 लाख 84 हजार थी। वही कार्य शुभारंभ की तिथि 11 मई 2022 थी तथा कार्य पूर्ण होने की तिथि का मौके पर मौजूद वोर्ड में उल्लेख ही नही किया गया है। वही इस अमृत सरोबर तालाब के निर्माण में श्रम व सामग्री घटक 12 लाख 95 हजार तथा सामग्री 12 लाख 3 हजार खर्च होना दर्ज किया गया है। वही तालाब निर्माण में कर्यान्वियन एजेन्सी ग्राम पंचायत सचिव तथा अन्य मद के रूप मे 15 वाँ वित्त की राशि 2 लाख 61 हजार रूपया खर्च होने का उल्लेख किया गया है। इस तरह पंचायतों द्वारा बनाये गये तालाबो की सच्चाई को अगर मौके पर देखी जावे तो जहां खुदाई के हाल इस तरह से दिखाई दे रहे है कि पूर्व में यहां पर बने हुये खेतों की मेडे जहां स्पष्ट रूप से नजर आने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर यहां पर पहले से खड़े हुये पेडो के ठूंट निर्माण कार्य में हुई गफलत बाजी का आईना दिखाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? इतना ही नही ग्रामीणों के कहना है यहां पर पहले से जंगली नाला निकला हुआ था और आस पास में झुर्रईयाँ थी उन्ही के बीचों बीच मात्र सीमेन्ट की दीवार बनाते हुये इस तालाब का निर्माण किय गया है। वही तालाब निर्माण के दौरान पंचायत द्वारा बनाई गई दीवार भी अपना पहला जन्म दिन मनाने के पूर्व ही जिस तरह टूटते दिखाई देना शुरू हो गई थी। वह संपूर्ण कार्य की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रह है..? वही दूसरी ओर एक ओर से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा तालाब के किनारे को पाटने के लिये कुछ पत्थर जरूर लगाये गये है। मगर यदि उन पत्थरों की सच्चाई देखी जावे तो यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि यह पत्थर निश्चित तौर से जंगल की भूमि से वन विभाग की मिलीभगत के चलते अवैध खनन किया गया होगा? क्योंकि किसी भी संस्था को वन विभाग की भूमि से इस तरह पत्थर उठान की अनुमति तो होती नही है फिर भी जंगल क्षेत्र मे पैदा होने वाले यह पत्थर इस तालाब के निर्माण में उपयोग होना वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका को भी सबालों के घेरे में लेने से नही चूक रहे है...? इस तरह जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली जंगल क्षेत्र की ग्राम पंचायतो द्वारा लाखों की सरकारी राशि खर्च करते हुये बनाये गये अमृत सरोबर तालाब में जहां गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले ही एक बूंद पानी नजर नही आ रहा है। वही दूसरी ओर तालाब निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पंचायत स्तर से लेकर जनपद व जिला स्तर के अधिकारियों की भूमिका को सबालो के घेरे में लाने से नही चूक रही है..? सही मायने में देखा जावे तो मौके पर जहां तालाब का स्वरूप ही दिखाई नही दे रहा है। मगर इसके बाद भी सरकारी रिकार्ड में इस अमृत सरोबर में भरे हुये पानी में अधिकारी गोता लगाते हुये ठंडक का अहसास करते हुये देखे जा रहे है..? क्योंकि जब सरकारी धन राशि को खर्च करते हुये पंचायत द्वारा कोई निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी देखरेख जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा की जाती है। जब इन अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है तभी उस कार्य को पूर्ण माना जाता है..? पंचायतों द्वारा बनाये गये अमृत सरोबरों की सच्चाई जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है...?

चीचली क्षेत्र के ग्राम माल्हनवाड़ा में किया गया जनसुनवाई एवं शिविर का आयोजन, कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने की चर्चा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। क्षेत्र के पिछड़े व पहुंच से दूर गांवों में जब कोई बड़ा अधिकारी पहुंचता है तो निश्चित तौर से वहां का महौल कुछ और ही दिखाई देने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार से चीचली जनपद के अंतर्गत आने वाले ग्राम माल्हनवाडा में आयोजित शिविर में जिला कलेक्टर सहित अन्य अधिकारियों ने पहुंचकर ग्रामीणों से चर्चा करते हुये शासन की योजनाओं की जानकारी ली गई। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत माल्हनवाड़ा (इकलोनी) के गोंडवाना भवन में सबसे दूर सबसे पहले जनभागीदारी अभियान अंतर्गत जनसुनवाई एवं लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने ग्रामवासियों की समस्याएं सुनकर उनका तत्काल समाधान किया और जिन आवेदन पत्रों का निराकरण नहीं हो पाया उनका समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस शिविर का शुभारंभ मां सरस्वती जी का पूजन-अर्चना के साथ किया गया। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बच्चों को निःशुल्क साईकिलें और पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया। वही सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्रीमती कलावती व्यारे, जिला अधिकारी व विकास खंड स्तरीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी मौजूद थे। जिला स्तर के सभी अधिकारी एक ही वाहन से एक साथ शिविर में पहुंचे। इस शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ शतप्रतिशत पात्र नागरिकों तक पहुंचाना था। शिविर में आधार कैम्प के माध्यम से ग्रामवासियों एवं बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए और आधार कार्ड में आवश्यक सुधार किए गए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, उज्जवला योजना 3.0 के तहत गैस कनेक्शन, पोषण आहार वितरण, मातृ वंदना योजना, विभिन्न पेंशन योजनाओं, मनरेगा जॉब कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पशु केसीसी, किसान सम्मान निधि, संबल योजना के तहत पंजीयन, अनुग्रह सहायता व अंत्येष्टी सहायता राशि, पीएम सुरक्षा बीमा योजना आदि विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों को दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैम्प आयोजित कर कुपोषण की जांच की गई। साथ ही ग्रामवासियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दवा वितरित की गई। क्षय रोग के तहत 70 नागरिकों की स्क्रिनिंग कर 40 के सैम्पल लिए गए। आमजन को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की सोच के तहत आयोजित किये गये। बताया जाता है कि इस शिविर में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत मानेगांव की मेमवती गोंड़ व निशा ठाकुर को 6 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में पहुंचाई गई। इसी प्रकार 5 वर्ष तक के 12 बच्चों के नवीन आधार कार्ड बनाए गए और 70 वर्ष से अधिक 5 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। आयुष्मान के तहत 5 हितग्राहियों की ई-केवायसी की गई। खाद्य विभाग के द्वारा राशन पात्रता पर्ची के लिए लंबित 8 परिवार के सदस्यों की ई-केवायसी की गई। साथ ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत 8 आवेदन प्राप्त हुए। पशु पालन विभाग के तहत 4 लोगों के केसीसी और दो लोगों को बैकमार्ट कुक्कड़ प्रदान किए गए। ग्रामवासियों को श्रम योगी मानधन योजना की जानकारी प्रदान की गई। श्रमपदाधिकारी ने बताया कि श्रम योगी मानधन योजना के तहत पात्रता, अंशदान एवं लाभ के संबंध में बताया। उन्होंने बताया कि सीएसएस एवं श्रम विभाग या स्वयं के माध्यम से योजना में रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

नगर के इंद्रा कॉलोनी में चल रहे संगीतमय श्री नर्मदा पुराण कथा एवं रूद्री निर्माण में उमड़ रही भक्तों की भीड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। पुरुषोत्तम महिना यानि की अधिमास जो तीन साल के उपरांत आता है। यह माह धार्मिक आयोजनों के लिये मुख्य माना जाता है। इसी के चलते चल रहे अधिमास के दौरान जहां तहां धार्मिक आयोजन होते हुये देखे जा रहे है। इस प्रकार से अधि माह के पावन अवसर पर स्थानीय आजाद वार्ड स्थित इंद्रा कॉलोनी में चल रहे संगीतमय श्री नर्मदा पुराण कथा एवं रुद्री निर्माण, रुद्राभिषेक में जहां भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। वही बताया जाता है कि इस धार्मिक अनुष्ठान में शुरू दिन कलश यात्रा निकाली गई। प्रतिदिन कथा स्थल पर श्रद्धालुओं द्वारा रुद्री निर्माण कर रुद्राभिषेक किया जाता है। वही रात्रि के समय संगीतमय नर्मदा पुराण के माध्मम माँ नर्मदाजी की महिमा का वर्णन कथा व्यास भागवतोपासक स्वामी विश्वनाथ शास्त्री द्वारा सुनाई जाती है। उन्होंने नर्मदा पुराण कथा सुनाते हुए कहा कि जब भगवान शिव अमरकंटक के मैकल पर्वतों पर घोर तपस्या में लीन थे, तब उनके शरीर से निकले स्वेद (पसीने) की बूंदों से एक अत्यंत सुंदर कन्या प्रकट हुई। इसी कारण मां नर्मदा को शिवपुत्री, 'शंकरकन्या' या 'रेवा' कहा जाता है। इनके अलौकिक रूप और लीलाओं को देखकर स्वयं शिव-पार्वती हर्षित हो उठे और उन्होंने कहा कि तुमने हमारे हृदय को 'नर्म' (सुख/आनंद) दिया है, इसलिए तुम्हारा नाम 'नर्मदा' होगा। कथा में आगे कहा कि नर्मदा पुराण में अन्य पवित्र नदियों की तुलना में माँ नर्मदा को एक विशेष वरदान प्राप्त है। जहाँ गंगा नदी में स्नान करने से पुण्य मिलता है। वहीं माँ नर्मदा के केवल दर्शन मात्र से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। पौराणिक मान्यता है कि स्वयं गंगा जी हर वर्ष कृष्ण पक्ष की सप्तमी को काली गाय का रूप धारण कर माँ नर्मदा के शरणागत आती हैं। कक्षा वाचक ने बताया कि भौगोलिक और पौराणिक दोनों ही दृष्टि से नर्मदा का प्रवाह अनोखा है। जहाँ भारत की अधिकांश बड़ी नदियाँ पूर्व की ओर बहकर बंगाल की खाड़ी में मिलती हैं। वहीं नर्मदा अमरकंटक से निकलकर पश्चिम की ओर बहती हुई अरब सागर में विलीन होती हैं। कथाओं में इसे उनके स्वाभिमान, दृढ़ संकल्प और राजा सोनभद्र से हुए उनके वैराग्य की कथा से जोड़कर देखा जाता है। नर्मदा नदी के तल से निकलने वाले हर पत्थर को साक्षात शिव का रूप माना जाता है। जिन्हें 'नर्मदेश्वर शिवलिंग' कहते हैं।इन शिवलिंगों को प्राण-प्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती इन्हें सीधे घर या मंदिर में स्थापित कर पूजा जा सकता है। माँ नर्मदा परिक्रमा का महात्म्य बताते हुए कहा कि नर्मदा संसार की एकमात्र ऐसी नदी हैं जिनकी पूरी परिक्रमा पैदल या वाहनों के माध्यम से की जाती है। नर्मदा महापुराण केवल एक नदी की कहानी नहीं है, बल्कि यह इंसानी अहंकार को त्यागकर समपर्ण और प्रकृति को परमात्मा मानकर जीने की कला सिखाती है। इसीलिए भक्त आज भी श्रद्धा से नर्मदे हर उद्घोष करते है।

पंच कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण के चलते ग्राम कामती हुई धर्ममय

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम कामती के यज्ञ शाला प्रांगण में 5 कुण्डीय श्री शतचंडी महायज्ञ एवं नर्मदा चिंतन महापुराण का आयोजन कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान की प्रेरणा से सफलतापूर्वक जारी है। चल रहे पुरुषोतम माह के पावन अवसर पर 25 मई तक हो रहे इस आयोजन से समूचा माहौल धर्ममय हो गया है। यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे एवं रात 8 से 11 बजे तक संतो के प्रवचन को सुनने क्षेत्रवासी ग्राम कामती पहूँच रहे है। वही अवधूत महायोगी दादा गुरु भगवान के प्रवचन 23 मई से 24 मई तक कथा स्थल पर होंगे। वही कथावाचक साध्वी सत्यप्रिया गिरी जी (श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर काशी पीठ) ने प्रवचन में कहा कि हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त थे। लंका युद्ध के समय हनुमान जी लक्ष्मण के प्राण बचाने संजीवनी बूटी के साथ पूरा पहाड़ उठाकर ले आये थे। वृंदावन धाम से आई साध्वी सुश्री प्रभा भारती ने माँ नर्मदा जी की महिमा बताते हुए कहा कि नर्मदा जी के दर्शन मात्र से ही सभी संकट दूर होते है। नर्मदा घाटों पर हमें दान पुण्य अवश्य करना चाहिये। प्रवचन कार्यक्रम में रविकांत शास्त्री ने कहा कि हमें अच्छी संगत वाले लोगों के साथ रहना चाहिए क्योंकि कुसंगति बर्बादी की ओर ले जाती है। उल्लेखनीय है कि आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर पुलिस विभाग के कर्मचारी ड्यूटी कर रहे है। आयोजन समिति के सदस्य पूर्ण मनोयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए है।

सालीचौका में एसबीआई सहित अन्य बैक शाखाओं के स्थापना की उठाई जा रही मांग

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर प्रदेश से लेकर केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार की जनहितैषी योजनाएं चलाते हुए उनका भला किया जा रहा है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में शासन द्वारा बरती जा रही जरूरी चीजे उपलब्ध नही कराये जाने के कारण ग्रामीण जन इसका लाभ नही ले पा रहे है? जिसके प्रमुख रूप से देखा जावे तो सरकार द्वारा चलाई जा रही लगभग सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए हर व्यक्ति का बैक में खाता होना जरूरी है जिसके लिए कुछ राष्ट्रीयकृत बैकों को शामिल किया गया है। मगर सालीचौका में अभी तक न तो कोई बड़ी बैक की स्थापना हो पाई है और न हो कोई प्रयास होते हुये देखे जा रहे है संपूर्ण क्षेत्र की जिम्मेदारी यहां पर स्थिति मात्र एक छोटी यूको बैक के भरोसे ही चलते हुये देखी जा रही है जो क्षेत्रवासियों को अपने लेनदेने के लिये परेशान होते हुये देखा जाता है। जबकि देखा जावे तो सालीचौका से क्षेत्र में आधा सैकड़ो से भी अधिक गांव जुडे होने के साथ साथ यहां पर अनेक शुगर मिले, राईस मिलों के आलवा पुलिस थाना, हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल सहित शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र सहित रेलवे स्टेशन स्थापित है। मगर इसके बाद भी यहां पर संपूर्ण कार्य मात्र एक छोटी बैक के भरोसे संचालित होने के कारण लोगों को न तो समय पर शासन की योजनाओं को लाभ मिल पा रहा है और न ही क्षेत्रवासी अपना जरूरी लेनदेन कर पा रहे है? इस स्थिति में क्षेत्र के लोगों को मजबूरी बस गाडरवारा या फिर चीचली भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। जबकि यहां पर भारतीय स्टैट बैक या फिर अन्य कोई दूसरी राष्ट्रीयकृत बैक की स्थापना होना अति जरूरी समझा जाने लगा है। बताया जाता है कि सालीचौका में मात्र एक बैक होने के कारण जहां आमजन बैक के अधिकारियों के रवैया को लेकर परेशान होते हुये देखे जाते है तो जब कोई व्यक्ति अपने खाते से अधिक राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो उसे अनेक प्रकार की परेशानियों से जूझना पड़ता है। कहने के लिये तो यहां पर एटीएम स्थापित किया गया है मगर आये दिन उसमें रूपयों का आभाव यानि की खाली पड़ रहते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? इस तरह सालीचौका क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुये यहां पर अन्य दूसरी बैक की स्थापना होना अति आवश्यक महसूस किया जाने लगा है? क्योंकि मात्र एक बैक होने के कारण जहां शासन द्वारा सभी कार्य बैक के माध्यम से कर दिये इस स्थिति के चलते जब कोई उपभोक्ता बैक पहुंचता है तो यहां के अधिकारियों का रवैया किसी महाराजे से कम नही होता है? अधिकारियों के रवैया के चलते आमजन इस तरह का महसूस करते हुये दिखाई देता है कि वह अपने खाते से नही बल्कि बैक अधिकारी से साहूकारी के रूप में कर्ज लेकर जा रहा हो।

तेजी से घट रही दुधारू पशुओं की संख्या

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा। अगर इसी रप्तार से दुधारू पशुओं की संख्या घटती रही तो निश्चत ही आने वाले दिनों मे नौमिहालो को दुध के लाले पड सकते है। वह दिन दूर नही जब दूध के दाम आसमान छुने से नही चुकेगें और नगरिक दूध के लिए यहां वहां भटकने मजबूर होगे। किसानो मे दुधारू पशु पालने के प्रति मोहभंग हो जाने से पशुओं की संख्या घटती जा रही है वही सरकार भी इससे अनजान बनी हुई है, जिससे अब किसान भी दूध का उत्पादन करने के बजाय अन्य व्यसाय पर ज्यादा जोर देने लगे है,पशु चिकित्सा विभाग से प्राप्त आंकडो के अनुसार निरंतर पशुओं की संख्या घटती जा रही है और आज स्थिति यह हो गई है कि लोग दुधारू पशु पालने से ही तौबा करने लगे है। जानकारो का कहना है कि दुधारू पशुओं की निरंतर घटती संख्या एवं पशु पालकों का मोहभंग होने के पीछे पर्याप्त चिकित्सा सुविधा न मिलना चारे के दाम आसमान छूना, गौहत्या चरम पर होना, शासकीय योजनाओं का पालकों को लाभ न मिलना है जिससे अब लोग पशु पालने से कतराने लगे है।

विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। विकासखंड के जनपद शिक्षा केंद्र में विकास खंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट की बैठक आयोजित की गई। बताया जाता है कि उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए विकासखंड स्त्रोत समन्वयक साईंखेड़ा संदीप स्थापक ने कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं में नवीन प्रवेश, मैपिंग , यू डाइस पोर्टल पर प्रोग्रेशन, पोर्टल पर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण, निशुल्क साइकिल वितरण वेरीफिकेशन, आईगाट कर्मयोगी प्रशिक्षण, अपार आई डी, खाद्यान्न उठाव, निर्माण कार्य सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत निर्देश दिए। बीएसी मनीराम मेहरा एवं पवन राजौरिया ने चाइल्ड ट्रेकिंग एप्प से संबंधित निर्देश दिये गये। इस बैठक मे एमआईएस वेद प्रकाश राजपूत, प्रमोद पठारिया, सुरेन्द्र राजपूत, देवी सिंह कीर, अवधेश पटैल, आजाद कौरव, प्रदीप मालवीय, पंकज पाठक इत्यादि की उपस्थिति रही।

महिला को पत्थर मारकर चोट पहुंचाई

सांईखेड़ा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है किवह अपने मायके ग्राम संसारखेड़ा जबारे बिसर्जन में शामिल होने के लिये गई हुई थी। गांव की अन्य महिलाओं के साथ खेरापति मंदिर के पास बैठकर जब भजन गा रही थी उसी दौश्रान गांव को रजनीश ठाकुर आया और बोला की यह मेरी माता है यहां पर भजन क्यों गा रही हो। इस बात को लेकर जब प्रार्थिया द्वारा उसे समझाने का प्रयास किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये जमीन पर से पत्थर उठाते हुये महिला के सिर में मारते हुये चोट पहुंचाई।

खबर संक्षेप

प्राचीन पांडुलिपियों का ऐप में किया गया डिजिटल संरक्षण

अमरकंटक। प्राचीन पांडुलिपियाँ, ताडपत्र व दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण व भावी पीढ़ियों तक इनकी पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ज्ञान भारतम मिशन के तहत राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वे शुरू हो चुका है। देशभर में राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान 16 मार्च से 15 जून तक संचालित किया जा रहा है। जिसमे जनभागीदारी के माध्यम से देशभर के परिवारों, मंदिरों एवं संस्थाओं में उपलब्ध पांडुलिपियों को ज्ञान भारतम ऐप के जरिये जिओ टैग कर सूचीबद्ध व डिजिटल रूप से संरक्षित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में धार्मिक नगरी एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक के श्री कल्याण सेवा आश्रम के पुस्तकालय में उपलब्ध लगभग 166 प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन कर उन्हें भारत ऐप में अपलोड करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अभियान के तहत इन पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से संरक्षित किया जा रहा है। इस दौरान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड से पर्यटन प्रबंधक अजय अग्रवाल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण जबलपुर मण्डल से आए जेएसए समरेश आनंद एवं श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक के लाइब्रेरियन स्वामी सुन्दरानंद पुरी उपस्थित रहे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने प्राचीन और अमूल्य पांडुलिपियों को डिजिटल फोर्मेट में कन्वर्ट करने के लिए निःशुल्क प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च की है, जिसके माध्यम से लोग अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी सरकार तक पहुंचा सकेंगे। उन्हें क्यूआर कोड स्कैन कर अपनी पाण्डुलिपि की डिटेल दर्ज करनी होगी। यदि किसी की पाण्डुलिपि की स्थिति ठीक नहीं है तो उसका संरक्षण (प्रिजर्वेशन) भी मंत्रालय की टीम करेगी। चिन्हित पांडुलिपियों को राष्ट्रीय डिजिटल रेपोजिटरी में सुरक्षित रखा जाएगा। इस अभियान में पाण्डुलिपि धारकों का स्वामित्व पूर्णतः सुरक्षित रहेगा। ऐप पर 23 भारतीय भाषाओं का विकल्प दिया गया है। इसमें व्यक्ति, संस्था, नागरिक और सर्वेयर जैसी प्रोफाइल चुनकर आवेदन किया जा सकेगा। ज्ञान भारतम अभियान के तहत लगभग 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस पहल से जिले की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

जल जीवन मिशन कार्य में लापरवाही के आरोप

डिंडौरी न्यूज। करंजिया जनपद अंतर्गत ग्राम मोहतरा में जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाए जा रहे फिल्टर प्लांट निर्माण कार्य में मजदूरों को पिछले दो माह से मजदूरी नहीं मिलने का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि लगातार काम कराने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है।मजदूरों के अनुसार वे प्रतिदिन लगभग 15 किलोमीटर दूर-दराज क्षेत्रों से निर्माण स्थल तक पहुंचकर मेहनत कर रहे हैं, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी मजदूरी नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। मजदूरों ने बताया कि कई बार ठेकेदार से भुगतान की मांग की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है।

पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें पेट्रोल पंप संचालकः प्रभारी कलेक्टर

उमरिया। वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रभारी कलेक्टर अभय सिंह ने जिले में पेट्रोल एवं डीजल की निर्बाध और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार उमरिया जिले में संचालित सभी पेट्रोल एवं डीजल पंपों के प्रोपाइटर, संचालक, मैनेजर और विक्रेताओं को अपने पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन का भंडारण बनाए रखना होगा, ताकि शासकीय वाहनों, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस बल तथा अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होने निर्देशित किया है कि सभी पेट्रोल पंप संचालक अपने-अपने डिस्पेंसिंग यूनिट (नोजल) से वितरण योग्य पेट्रोल एवं डीजल का आवश्यक आरक्षित स्टॉक आगामी आदेश तक सुरक्षित रखेंगे।

भानपुर पंचायत में पानी को लेकर हाहाकार गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

शहपुरा . डिंडोरी जिले के मेहंदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुर में इन दिनों भीषण पेयजल संकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किलों में डाल दी है। गांव के कुंएं बावलियां और पारंपरिक जलस्रोत पूरी तरह सूख चुके हैंए जिसके चलते ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर घाट और जंगलों की ओर जाना पड़ रहा है। हालत यह है कि महिलाएंए बुजुर्ग और छोटे बच्चे तपती धूप में घंटों मशक्कत कर गड्ढों में जमा गंदा पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधि केवल कागजों में योजनाएं चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान रहे हैंए जबकि जमीनी स्तर पर लोग बूंद.बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। गांव में संचालित श्हर घर नल.जल योजनाश भी पूरी तरह फेल साबित हो रही है। पाइपलाइन और टंकियां होने के बावजूद घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा लाखों.करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैंए लेकिन भानपुर गांव में लोग आज भी गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। दूषित पानी के कारण कई ग्रामीण बीमार पड़ रहे हैंए लेकिन न पंचायत ध्यान दे रही है और न ही पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों में अब भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द गांव में पेयजल की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो उग्र आंदोलन और चक्का जाम किया जाएगाए जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन.प्रशासनए ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग की होगी।

जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित कर आगामी त्यौहारों को शांतिए सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियोंए गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को ईद एवं मोहर्रम की शुभकामनाएं दी गईं। कलेक्टर ने आगामी 28 मई 2026 को ईदुज्जहाए 26 जून 2026 को मोहर्रम एवं 08 सितंबर 2026 को पर्युषण पर्व मनाया जाएगा। पर्वों के दौरान शांति एवं कानून.व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विशेष दल गठित करने तथा नगर परिषदए पीडब्ल्यूडी एवं संबंधित विभागों को साफ.सफाईए प्रकाश व्यवस्था और मार्गों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ईदुज्जहा पर्व की तैयारी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं

बैठक में बताया गया कि ईदुज्जहा पर्व के अवसर पर ईदगाहों में प्रातः 08ण्00 बजे से नमाज अदा की जाएगी। मस्जिद कमेटियों से नमाज में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या एवं आयोजन स्थलों की जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराने का आग्रह किया गयाए ताकि समय पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। डिंडौरी नगर सहित शहपुराए शाहपुरए विक्रमपुरए गाड़ासरईए गोरखपुरए मुड़कीए भानपुर एवं घानामार क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। नमाज के बाद कब्रिस्तानों में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। नगर परिषद को प्रमुख स्थानों पर साफ.सफाईए प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल के लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

यातायात एवं ध्वनि नियंत्रण संबंधी निर्देश

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा ने सभी थाना प्रभारियों को अधिक ध्वनि में डीजे संचालित होने पर उसे सील कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने की हिदायत दी गई। बिना अनुमति रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने नागरिकों से शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर वाहन न चलाने की अपील की। बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए जिलेवासियों से सभी त्यौहार शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का आह्वान किया। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारसए नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका नायकए पूर्व जिला अध्यक्ष नरेन्द्र राजपूतए पूर्व विधायक दुलीचंद उरैतीए डॉण इकबालए अशोक अवधियाए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्माए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगनए तहसीलदार सहित जनप्रतिनिधिए विभिन्न विभागों के अधिकारीए शांति समिति के सदस्य एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

बिजली खंभे के विवाद में महिला समेत परिवार पर हमला

डिंडौरी न्यूज। गाड़ासरई थाना क्षेत्र के ग्राम गीधा में बिजली कनेक्शन जोड़ने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि महिला समेत पूरे परिवार पर लाठी.डंडों और हाथ.घूंसों से हमला कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा हैए जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।जानकारी के अनुसार गाड़ासरई थाना अंतर्गत ग्राम गीधा निवासी नरबदिया ठाकुर अपने घर का बिजली कनेक्शन जोड़ रही थीं। इसी दौरान पड़ोसियों के साथ विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि पडोसियो ने गाली.गलौज करते हुए नरबदिया ठाकुर को घसीटकर जमीन पर पटक दिया और बेरहमी से मारपीट की।महिला की चीख.पुकार सुनकर बीच.बचाव करने पहुंचे परिवार के सदस्यो को भी नहीं बख्शा गया। आरोपियों ने कथित रूप से लाठी.डंडों और हाथ.घूंसों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। वायरल वीडियो में विवाद और मारपीट का घटनाक्रम साफ दिखाई देने की चर्चा ग्रामीणों में हो रही है।पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में कई लोगों को चोटें आई हैंए जिनका उपचार कराया गया है।मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता ;बीएनएसद्ध 2023 की धारा 296;बीद्धए 115;2द्धए 351;2द्ध एवं 3;5द्ध के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल का डिंडोरी आगमन आज

शहपुरा -भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री एवं जबलपुर संभाग प्रभारी गोपाल पटेल का आज 23 मई शनिवार को डिंडोरी जिले में आगमन हो रहा है। उनके आगमन को लेकर भाजपा किसान मोर्चा एवं संगठन के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा जिला कार्यालय डिंडोरी में शाम 4 बजे किसान मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई हैए जिसमें जिलेभर के पदाधिकारीए मंडल अध्यक्षए ज्येष्ठ.श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं भाजपा किसान मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिला अध्यक्ष घनश्याम कछवाहा ने बताया कि बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनानेए किसानों से जुड़े मुद्दोंए ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी की सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक के दौरान किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद भी करेंगे और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा.निर्देश देंगे। इसके साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर भी जोर दिया जाएगा।कार्यालय मंत्री पवन शर्मा ने जिले के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से समय पर बैठक में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। भाजपा किसान मोर्चा की इस बैठक को संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा हैए क्योंकि आगामी राजनीतिक गतिविधियों और किसान संपर्क अभियान को लेकर भी इसमें चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने शहपुरा थाने में ली बैठक समस्याएं सुनकर दिए आवश्यक निर्देश

शहपुरा.। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने पुलिस थाना शहपुरा का निरीक्षण कर अधिकारियों एवं जवानों की बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्थाए पुलिस कार्यप्रणाली तथा आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने को लेकर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने थाना स्टाफ से उनकी कार्यप्रणालीए ड्यूटी के दौरान आने वाली समस्याओं एवं संसाधनों की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से चर्चा की। जवानों ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं और आवश्यकताओं से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। इस पर पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने सभी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन देते हुए कहा कि पुलिस जवानों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की शिकायतों और समस्याओं को संवेदनशीलता एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार के साथ सुना जाए तथा त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है और इसी विश्वास को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

पेसा मोबिलाइजरों के समर्थन में भारतीय मजदूर संघ

पेसा मोबिलाइजरों की छुट्टी पर गरमाई राजनीति तीन दिन में बहाली नहीं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन

डिंडौरी। जिले में कार्यरत पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं समाप्त किए जाने के आदेश के खिलाफ अब विरोध तेज होने लगा है। भारतीय मजदूर संघ जिला डिंडौरी द्वारा मुख्यमंत्री डॉण मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं तत्काल बहाल करने की मांग की गई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिवस के भीतर सेवा बहाली नहीं की गई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में बताया गया है कि मध्यप्रदेश के 20 जिलों के 89 आदिवासी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में वर्ष 2021 से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पेसा मोबिलाइजर नियुक्त किए गए थे। हाल ही में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईंए जिससे हजारों मोबिलाइजरों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि पेसा मोबिलाइजरों ने आदिवासी अंचलों एवं दुर्गम क्षेत्रों में लगातार कार्य करते हुए ग्राम सभाओं की नियमित बैठकें आयोजित कराईं तथा ग्रामीणों को पेसा कानून के प्रति जागरूक किया। इसके अलावा ग्राम स्तरीय पेसा समितियों के संचालनए योजनाओं के क्रियान्वयन और शासन की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पेसा मोबिलाइजरों ने लाड़ली बहना योजनाए आयुष्मान कार्डए भूमि एवं समग्र आईडीए संबल योजनाए राशनए पेंशन और ई.केवाईसी जैसे कार्यों में ग्रामीणों की सहायता कर शासन.प्रशासन और आम जनता के बीच समन्वय स्थापित किया। संघ का कहना है कि इन्हीं प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश को पेसा कार्यों के मूल्यांकन में देश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ था।भारतीय मजदूर संघ ने आरोप लगाया कि नई नीति निर्धारण प्रक्रिया लंबित होने के कारण सेवाएं समाप्त करना अन्यायपूर्ण है। संगठन ने मांग की है कि पूर्व की व्यवस्था अनुसार पेसा मोबिलाइजरों की सेवाएं पुनः बहाल की जाएं और उन्हें नियमित रूप से कार्य करने का अवसर दिया जाएसंघ ने स्पष्ट किया कि यदि तीन दिवस के भीतर सेवा समाप्ति आदेश निरस्त नहीं किया गया तो भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगाए जिसकी जिम्मेदारी शासन.प्रशासन की होगी।

डिंडौरी में प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

डिंडौरी।मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की जिला स्तरीय बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एसएणएनण मिश्रा ने की। इस दौरान आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह एवं सदस्य मनोज शुक्ला भी मौजूद रहे।बैठक में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठनए जनसुविधाओं के विस्तार तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने.अपने विभागों की वर्तमान स्थितिए क्षेत्रीय आवश्यकताओंए उपलब्ध संसाधनों तथा कार्य संचालन में आने वाली समस्याओं की जानकारी आयोग को दी।

बैठक में विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक शासकीय सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। आयोग ने तहसीलए विकासखंड और ग्राम स्तर तक प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनानेए कार्यालयीन कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के संबंध में अधिकारियों से सुझाव प्राप्त किए।आयोग के अध्यक्ष एसएणएनण मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन केवल सीमाओं के निर्धारण तक सीमित नहीं हैए बल्कि इसका उद्देश्य शासन और आमजन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को पारदर्शीए सरल और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।सचिव अक्षय कुमार सिंह ने बताया कि आयोग प्रदेशभर में बैठकों के माध्यम से जमीनी हालात का अध्ययन कर रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त सुझाव प्रशासनिक ढांचे को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। सदस्य मनोज शुक्ला ने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संतुलित और व्यावहारिक पुनर्गठन समय की मांग है।बैठक में कलेक्टर अंजू पवन भदौरियाए जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्माए एसडीएम बजाग भारती मेरावीए एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवागत एसपी आशीष खरे ने पुलिस लाइन में जनरल परेड का किया निरीक्षण

डिंडौरी। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे ने गुरुवार को पुलिस लाइन डिंडौरी पहुंचकर जनरल परेड का निरीक्षण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आयोजित इस निरीक्षण कार्यक्रम में उन्होंने पुलिस बल की अनुशासन व्यवस्थाए कार्यप्रणाली और तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। एसपी के निरीक्षण को लेकर पुलिस लाइन परिसर में विशेष सक्रियता और अनुशासन देखने को मिला।परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री खरे ने परेड में शामिल अधिकारियों एवं जवानों की सज्जाए अनुशासन और कार्यकुशलता का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का अनुशासन ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है और बेहतर कानून व्यवस्था के लिए हर अधिकारी एवं जवान को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिस विभाग के शासकीय वाहनों की भी जांच की। उन्होंने वाहनों की स्थितिए रखरखाव एवं उपयोगिता की जानकारी लेते हुए नियमित संधारण और आपात स्थिति में तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड द्वारा उन्हें सलामी दी गईए जिसके बाद उन्होंने गार्ड का निरीक्षण कर जवानों की कार्यप्रणाली एवं अनुशासन का परीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने आम जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ.साथ जनता का विश्वास जीतना भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर एसडीओपी बजाग विवेक गौतमए थाना प्रभारी यातायात सुभाष चंद्रए कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरेए 36वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल कैंप से कंपनी प्रभारी गोकुल मरावीए प्रभारी रक्षित निरीक्षक सूबे कुंवर सिंह ओलाड़ी सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की तहसील स्तरीय बैठक संपन्न

डिंडौरी।मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की तहसील स्तरीय बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एसएणएनण मिश्रा ने की। इस दौरान आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह एवं सदस्य मनोज शुक्ला उपस्थित रहे।बैठक में विभिन्न विभागों की प्रशासनिक व्यवस्थाओंए क्षेत्रीय आवश्यकताओं तथा जनसुविधाओं के प्रभावी संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। स्वास्थ्यए ग्रामीण विकासए वनए राजस्वए महिला एवं बाल विकास तथा होमगार्ड विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिया।आयोग ने जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से उनके कार्यए जिम्मेदारियों और कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। राजस्व विभाग के पटवारियों ने विस्तृत हल्का क्षेत्रए सीमित संसाधनए बढ़ते राजस्व प्रकरणों और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की समस्याओं को रखा।स्वास्थ्य विभाग की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ;सीएचओद्ध एवं आशा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालनए टीकाकरणए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा दूरस्थ क्षेत्रों में कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों की जानकारी दी।वहीं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के ग्राम रोजगार सहायकों ;जीआरएसद्ध ने पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओंए मनरेगा कार्योंए ऑनलाइन कार्यप्रणालीए तकनीकी समस्याओं और बढ़ते कार्यभार से जुड़े मुद्दों को आयोग के समक्ष रखा।आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मैदानी कर्मचारियों के सुझाव और अनुभव प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण साबित होंगे।बैठक में विभागीय समन्वय को बेहतर बनानेए प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने तथा नागरिक सुविधाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के विषय पर भी चर्चा हुई। आयोग द्वारा प्राप्त सुझावों और तथ्यों के आधार पर आवश्यक अनुशंसाएं तैयार की जाएंगी।बैठक में कलेक्टर अंजू पवन भदौरियाए अपर कलेक्टर जेण्पीण यादवए एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगनए डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैनए तहसीलदार शंशाक शेंडें सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिंडौरी मंडला सीमा पर बढ़ेगी सुरक्षा, कमको मोहनिया में जल्द खुल सकती है पुलिस चौकी

सीमावर्ती क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी

डिंडौरी। जिले के सीमावर्ती ग्राम कमको मोहनिया में जल्द ही नई पुलिस चौकी खुलने की उम्मीद बढ़ गई है। ग्राम पंचायत के सरपंच एवं जिला अध्यक्ष श्री फूलसिंह मरकाम द्वारा पुलिस मुख्यालय भोपाल पहुंचकर पुलिस महानिदेशक से ग्राम कमको मोहनिया में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की गई थी। इस मांग को गंभीरता से लेते हुए अब पुलिस अधीक्षक डिंडौरी द्वारा पुलिस मुख्यालय को प्रस्ताव भेज दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कमको मोहनिया थाना समनापुर अंतर्गत आता है और यह क्षेत्र डिंडौरी एवं मंडला जिले की सीमा पर स्थित है। यहां डिंडौरी जिले की सीमा समाप्त होती है तथा मंडला जिले की सीमा प्रारंभ होती है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों एवं कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस चौकी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय डिंडौरी द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि ग्राम कमको मोहनिया थाना समनापुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। क्षेत्र में रेत खदानों को लेकर विवाद की स्थिति बनी रहती है तथा मंडला जिले के नक्सल प्रभावित थाना मवई से यह क्षेत्र जुड़ा हुआ है। यहां साप्ताहिक बाजार भी लगता हैए जिससे लोगों और वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। इन परिस्थितियों के चलते अपराधों की संभावना एवं कानून व्यवस्था की चुनौती को देखते हुए यहां पुलिस चौकी स्थापित करना आवश्यक माना गया है।पत्र में यह भी बताया गया है कि वर्तमान में किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल को मौके तक पहुंचने में काफी समय लगता है। नई चौकी खुलने से पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी और आम नागरिकों को सुरक्षा एवं सहायता समय पर मिल सकेगी।स्थानीय लोगों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि पुलिस चौकी खुलने से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगेगाए सीमावर्ती इलाकों में निगरानी मजबूत होगी और लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी।अब उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस मुख्यालय से जल्द स्वीकृति मिलने के बाद ग्राम कमको मोहनिया में नई पुलिस चौकी की स्थापना का रास्ता साफ हो सकता है।

खबर संक्षेप

आसमान से बरसी आग

तेंदूखेड़ा। इन दिनों पढ़ रही भीषण तेज गर्मी के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है। प्रतिदिन तापमान 44 से 46 तक पहुंच रहा है।सुबह से ही गर्म तेज हवाएं देर रात्रि तक चलने से लोग कूलर पंखों का सहारा ले रहे हैं।सुबह से ही अधिकांश सडकों पर सन्नाटा पसर जाता है।वहीं तेज गर्मी के कारण बुखार और पेट संबंधी उल्टी दस्त की बीमारियां बढ़ रही है।मूक प्राणी मवेशी छाया दार वृक्षों के नीचे बैठे देखे जा रहे हैं लेकिन उनके लिए पीने के पानी की समस्या बनीं हुई है।

एन सी सी शिविर में गये छात्र हुए बीमार

तेंदूखेड़ा। ऐसी चिलचिलाती भीषण गर्मी धूप में जबलपुर में एन सी सी शिविर का आयोजन किया गया है।दस दिवसीय इस शिविर में तेंदूखेड़ा क्षेत्र से 41 छात्र गये हुए हैं। जिनमें से कुछ छात्रों को लू और फूड प्वाइजनिंग के चलते बीमार होने की जानकारी तब जबलपुर के समाचार पत्रों में खबर छपी। बच्चे आई सी यू वार्ड से लेकर जनरल वार्डों में भर्ती रहे। लेकिन इन पीड़ित बच्चों के पाल्यों को सूचना तक नहीं मिली और इन बच्चों को शिविर में साथ लेकर गये प्रभारी शिक्षक द्वारा सूचना देना भी उचित समझा। पीड़ित बच्चों के नातेदारों ने अस्पताल में स्वयं जाकर उनकी स्थिति देखी तो बताया कि पानी और भोजन तथा तेज गर्मी से ही बच्चे बीमार हुये हैं। पालकों द्वारा तत्काल फोन से संपर्क किया गया तब कहीं उन्हें जानकारी मिल सकी।

बुजुर्गों एवं मेधावी छात्रों का होगा सम्मान

तेंदूखेड़ा। जिला कायस्थ सभा द्वारा आगामी जून माह में कायस्थ प्रतिभाओं एवं बुजुर्गों का सम्मान किया जायेगा। तत्संबंध में हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार कक्षा दसवीं एवं बारहवीं एमपी बोर्ड एवं सीबीएसई परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कायस्थ चित्रांश विद्यार्थियों से दिनांक 31मई तक जानकारी चाही गई है।उक्त प्रविष्टियां नरसिंहपुर करेली करकबेल गोटेगांव गाडरवारा बरमान सहित संपूर्ण जिले से चाही गई है। साथ ही 80 वर्ष से ऊपर के पूज्यनीय बुजुर्गों को भी सम्मानित किया जाएगा।नरसिंहपुर जिले के समस्त चित्रांश बंधुओ से अपील की गई है कि 31 मई तक अंक सूची की छाया प्रतिलिपि एवं बुजुर्गों के नाम एवं निवास स्थान के पते एवं मोबाइल नंबर के साथ हमें समयावधि में अनिवार्य रूप से जिला कायस्थ सभा नरसिंहपुर को जमा करें।

पुरुषोत्तम मास में किया गया हरिनाम संकीर्तन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। संकीर्तन समाज द्वारा आयोजित पुरुषोत्तम मास का द्वितीय संकीर्तन श्री देव अनगढ़ मंदिर में मंदिर समिति के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम समापन पे संकीर्तन समाज के व्यास प. रामस्वरूप शर्मा ने अपने उद्बोधन में पुरुषोत्तम मास के महत्व को समझते हुवे बताया कि जो भी मनुष्य पुरुषोत्तम मास में भगवन नाम का कीर्तन, भजन, पूजन करते है, उसका पुण्य उस मनुष्य की आयु में शामिल नहीं होता है बल्कि इस समय में किये गए कीर्तन, भजन, पूजन मनुष्य की आयु के अतिरिक्त उसमें वृद्धि कर देते है मतलब कि उस मनुष्य की आयु बढ़ जाती है। शर्मा जी ने कलयुग में हरिनाम संकीर्तन के महत्व को भी बताया। सभी को ज्ञात हो कि संकीर्तन समाज द्वारा इस परसोत्तम मास में नरसिंहपुर शहर के 10 मंदिरों में, इन मंदिर समितियों के सहयोग से 2 घंटे के संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। संकीर्तन की इस कड़ी में अगला याने तृतीय संकीर्तन श्री महालक्ष्मी मंदिर नगर पालिका चैराहा में 24 मई को शाम 4 से 6 बजे तक आयोजित रहेगा। संकीर्तन समाज के सभी सदस्यों ने नगर के सभी धार्मिक जनता से उपस्थिति की अपील की है।

महिलाओं के मामलों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए

महिला सशक्तिकरण व उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः श्रीमती स्थापक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुँचाएं। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य, स्वावलंबन और अधिकारों से जुड़े विभिन्न गंभीर मुद्दों पर विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए। आयोजित बैठक में सभी अधिकारी मौजूद थे। राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती स्थापक ने बैठक में महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और दहेज संबंधी मामलों की समीक्षा की। उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वन स्टॉप सेंटर पर पीड़ति महिलाओं को निःशुल्क विधिक (कानूनी) सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जेल से रिहा हुई महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर (स्वावलंबी) बनाने के प्रयासों पर चर्चा की गई।

एमएसएमई योजना की ली जानकारी

एमएसएमई योजना का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुँचाने के लिए रणनीति बनाई गई। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने बताया कि एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत जिले को 610 का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसे सफलतापूर्वक शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। श्रीमती स्थापक ने इस उपलब्धि की प्रशंसा की। उन्होंने स्वसहायता समूहों द्वारा किए जा रहे शहद उत्पादन कार्य को बढ़ावा देने और समूहों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती स्थापक ने बैठक में स्वाधार गृह की महिलाओं की आवश्यकताओं और उनकी वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संकटग्रस्त और बेसहारा महिलाओं के संरक्षण के लिए स्वाधार गृह में व्यवस्था होना आवश्यक है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग से नए और बेहतर स्वाधार गृह स्थापित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव मंगवाए है। पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए परिवार परामर्श केंद्रों का संचालन सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए गए। बैठक में माननीय सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप (कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने हेतु) कमेटियों के गठन की स्थिति की समीक्षा की गई।

वन स्टॉप सेंटर सखी का किया निरीक्षण

श्रीमती साधना स्थापक ने गुरूवार को वन स्टॉप सेंटर (सखी) नरसिंहपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग राधेश्याम वर्मा, सहायक संचालक व वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक सुश्री प्रांजली मर्सकोले, सहायक ग्रेड श्रीमती सुस्मिता तिवारी एवं केंद्र का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। मप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वन स्टाप सेंटर में आश्रय ले रहीं व हिंसा से पीड़ति महिलाओं के विभिन्न प्रकरणों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने महिला हेल्पलाइन, आश्रय व्यवस्था, डी.आई.आर. तथा प्रकरण पंजीयन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण दस्तावेजों व रजिस्टरों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक सुश्री प्रांजली मर्सकोले ने केंद्र की कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

सिविल अस्पताल करेली का किया निरीक्षण

श्रीमती साधना स्थापक ने शुक्रवार को सिविल अस्पताल करेली का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। श्रीमती स्थापक ने ओ.पी.डी हाई रिस्क प्रेगनेंसी क्लिनिक (एचआरपी), एएनसी वार्ड, लेबर रूम, चाइल्ड वार्ड, पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी), टीकाकरण कक्ष, दवा स्टोर, नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनवीएसयू) तथा किचिन सहित विभिन्न कक्षों का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने रोगी कल्याण समिति के कार्यों एवं कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी ली। ए.एन.सी. वार्ड में भर्ती महिलाओं से चर्चा कर भोजन की गुणवत्ता, भोजन की समय पर उपलब्धता और उपचार संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने एन.आर.सी. वार्ड के निरीक्षण के दौरान भर्ती बच्चों के परिजनों से संवाद कर भोजन, उपचार एवं अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) श्रीमती साधना स्थापक ने आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान नरसिंह वार्ड क्रमांक-2 एवं महादेव वार्ड क्रमांक-2 में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया।

बाइक रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन, गिनाई किसानों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के आवाहन पर प्रांत व्यापी आंदोलन के तहत किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के पूर्व भाकिसं द्वारा बाईपास सिंहपुर चौराहा से मोटरसाइकिल रैली निकाली। शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए रैली कलेक्टर भवन पहुंची। ज्ञापन में मांग की गई है कि मध्य प्रदेश सरकार ने किसान वर्ष घोषित किया है फिर भी किसान परेशान है। जिले में 8 से 10000 किसानों के स्लॉट अभी तक बुक नहीं हो पाए हैं मुख्यमंत्री द्वारा खरीदी की दिनांक बढ़ा दी है किंतु स्लाइड बुक नहीं हो रहे हैं किसान रात रात भर स्लॉट बुक करने में लगा है किंतु 12 मई से स्लॉट बुक नहीं हो रहे हैं गेहूं उपार्जन से जुड़े अधिकारियों के द्वारा स्वयं की आईडी से बड़े-बड़े किसानों के स्लॉट बुक किया जा रहे हैं यह जांच का विषय है जबकि उन्हीं वेयरहाउस को भरा बताकर उन किसानों की तोल नहीं की जाती है जिनके स्लॉट बुक हैं ऐसी अनियमिताएं गेहूं उपार्जन में व्याप्त है। सभी किसानों की स्लॉट बुकिंग होना सुनिश्चित किया जाए कुछ किसान ऐसे हैं जिनकी अभी एक भी बार स्लॉट बुक नहीं हो पाई है। मूंग उड़द की गिरदावरी कराई जाए। किसानों की उपज 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित किया जाए। गेहूं खरीदी केन्द्रों पर निरीक्षण उच्च अधिकारियों द्वारा किया जाए एवं अनियमिताएं पर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाए तौल कांटे पर अधिक गेहूं तुलाई न किया जाए। अघोषित बिजली कटौती बंद की जाए । लोड सेटिंग के नाम पर कटौती बंद हो। ज्ञापन में संभागीय अध्यक्ष अनिरुद्ध पटेल, राजेंद्र पटेल, दिनेश पटेल, संजय पाठक, चंद्रभान सिंह पटेल, जिला सदस्य विष्णु पटेल, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह, तहसील अध्यक्ष नरसिंहपुर तहसील मंत्री ओम चैकसे, एशवत पटेल, गोटेगांव अध्यक्ष भावसिह पटेल, जिला उपाध्यक्ष दिनेश पटेल आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस राष्ट्रीय महिला जागृति मंच की नरसिंहपुर इकाई ने संगठन का स्थापना दिवस मनाया। सन 2018 में अंबिका वशिष्ठ ने मानवता के हितार्थ एव महिला सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय महिला जागृति मंच की नींव रखी। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों जागृति मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक पांडे, जिला अध्यक्ष ज्योति तिवारी, संरक्षक सरला पांडे, उर्मिला भाटली एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष पूर्णिमा शुक्ला के द्वारा मां सरस्वती का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिला सचिव नंदिता चौबे द्वारा राष्ट्रीय जागृति मंच के उद्देश्यों एवं वार्षिक कार्यों का उल्लेख किया गया। सह सचिव मंजू दुबे द्वारा मंच संचालन सहयोग किया गया। कार्यक्रम में मनोरंजक गेम एवं प्रश्न उत्तर राउंड, सांस्कृतिक गतिविधियों में सभी ने भरपूर आनन्द लिया। साथ ही खुला मंच रखा गया जिसके माध्यम से उपस्थित बहनों ने सलाह, सुझाव दिए।

दो बाइकों की भिड़ंत में चार घायल, एक गंभीर हालत में जबलपुर रेफर

गोटेगांव। गोटेगांव-नरसिंहपुर मार्ग पर कमती-इमलिया के पास बुधवार रात दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसा रात करीब 8 से 8:30 बजे के बीच हुआ। जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा खमरिया निवासी अजीत ठाकुर (30) अपनी बहनों सृष्टि ठाकुर (19) और श्रद्धा ठाकुर (15) के साथ मोटरसाइकिल से भामा गांव जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई।हादसे में तीनों भाई-बहन घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक पर सवार अमृतराज (15) निवासी बेलखेड़ी भी घायल हुआ।सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोटेगांव पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद अमृतराज की हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर रेफर किया गया। अन्य घायलों का उपचार जारी है।घायल श्रद्धा ठाकुर ने बताया कि उनकी बाइक अपनी दिशा में चल रही थी, तभी सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। ड्यूटी डॉक्टर डॉ. विंसी मेंडरेई के अनुसार चारों घायलों को अस्पताल लाया गया था, जिनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे उच्च उपचार के लिए रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेटे की मौत को बताया हत्या, पिता ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

गोटेगांव। ग्राम बुधगांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने पुत्र की संदिग्ध मौत के मामले में ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक गुलाब चौधरी के पिता सुरेश चौधरी ने एसपी को दिए आवेदन में बताया कि उनका पुत्र 12 अप्रैल 2026 को अपनी पत्नी रानू चौधरी को लेने के लिए ग्राम मोहास (थाना ठेमी) गया था। 15 अप्रैल की सुबह उसकी पिता से फोन पर बात हुई थी, जिसमें उसने दो दिन बाद घर लौटने की जानकारी दी थी। परिजनों के अनुसार उसी दिन दोपहर करीब 3 बजे गुलाब का शव रेलवे ट्रैक पर मिलने की सूचना मिली। पिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने विवाद के बाद उसके पुत्र की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया ताकि घटना को दुर्घटना का रूप दिया जा सके। आवेदन में विजय चौधरी, सुनीता चौधरी और रानू चौधरी सहित अन्य लोगों की भूमिका की जांच की मांग की गई है। पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

लकड़ी काटने के विवाद में युवक की मौत, हत्या का मामला दर्ज, जांच जारी

गोटेगांव। नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में लकड़ी काटने के काम को लेकर चल रहे विवाद ने एक युवक की जान ले ली। गंभीर रूप से घायल युवक सड़क किनारे मरणासन्न अवस्था में मिला था, जिसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी निवासी रंजीत पटेल (29 वर्ष), पिता नेतराम पटेल को गोटेगांवखेड़ा मार्ग के पास गंभीर हालत में पड़ा देखा गया। सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और उसे तत्काल गोटेगांव के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों द्वारा उपचार शुरू किया गया, लेकिन अत्यधिक गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।मृतक के परिजनों ने गांव के ही गुड्डू पटेल और उसके साथियों पर हमला करने का आरोप लगाया है। मृतक के पिता नेतराम पटेल का कहना है कि रंजीत लकड़ी काटने का काम करता था और इसी व्यवसाय को लेकर आरोपी उससे रंजिश रखता था। परिजनों के अनुसार इसी विवाद के चलते रंजीत को कथित रूप से अगवा कर उसके साथ मारपीट की गई।मृतक के चचेरे भाई नीरज पटेल ने बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान रंजीत ने उन्हें बताया था कि उसके साथ मारपीट की गई है। परिजनों का दावा है कि रंजीत ने पुलिस के समक्ष भी घटना से संबंधित बयान दिए थे।मामले की जांच कर रहे एसडीओपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि घायल युवक के बयान की वीडियोग्राफी कराई गई है, जिसे जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। वहीं थाना प्रभारी नीरज सराफ ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। परिजन दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में अधिक से अधिक पौधारोपण एवं तार फेंसिंग के कार्य में सहयोग करने के लिए कहा गया। इस पर उद्योगपतियों के द्वारा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई। इसके लिए प्रशासन की ओर से शासकीय भूमि उपलब्ध का कराई जावेगी।

दिवंगत शिक्षक के परिजनों को संघ ने दिये 26 लाख रुपए

तेंदूखेड़ा। बूंद बूंद से घड़ा भरने की कहावतें तो सबने सुनी है और सहयोग की मिसालें भी अक्सर कर देखने सुनने मिल ही जाया करतीं हैं लेकिन एक दिवंगत शिक्षक को असमय अपने परिवार के बीच से चले जाने के बाद संगठन के द्वारा मदद का जो अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है वास्तव में सराहनीय है। हमारे प्रतिनिधि को पी एम यू एम एस संघ एवं कर्मचारी कल्याण कोष द्वारा गाडरवारा क्षेत्र के एक प्राथमिक शिक्षक व्रजेश श्रीवास का अचानक हृदय गति रुक जाने के दौरान निधन हो जाने पर उनके पुत्र आदित्य श्रीवास एवं पत्नी श्रीमती योगिता श्रीवास के सामने ना केवल एक बहुत बड़ा पहाड़ टूटा था बल्कि जीविकोपार्जन का भी संकट आ गया था। संगठन ने इस विषय को बहुत ही गंभीरता से लिया और अपने साथी शिक्षक के परिजनों को संगठन के सभी सदस्यों ने राशि एकत्रित कर उनके बैंक खातों में 26,13,384 रुपये की राशि एकत्रित कर सहयोग किया। निश्चित तौर पर कर्मचारियों के इतिहास में सबसे बड़ा प्रेरणादायक आर्थिक सहयोग है। इसके पूर्व भी इस संगठन ने सागर जिले के एक शिक्षक साथी का सहयोग किया था। जिसमें संगठन के प्रांतीय जिला ब्लाक इकाईयों के सभी पदाधिकारियों सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

पी एच ई विभाग की मनमानी, विभागीय मंत्री के आदेश भी हो रहे बेअसर

तेंदूखेड़ा। इन दिनों पढ़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है वहीं जमीनी जल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण हेंड पंपों से पानी की जगह हवा निकल रही है और कहीं कहीं पानी निकल भी रहा है तो मटमेला पानी वह भी 5 से 10 मिनिट में ही गड्ढे पानी देना बंद कर देते हैं। ग्रामीण अपने दैनिक निस्तारों को आस पास के कुओं या खेतों में स्थित ट्यूबवेल में जाकर नहाने धोने के साथ अपने और मवेशियों को पानी पीने की व्यवस्था कर रहे हैं।हेंड पंपों से पानी ना निकलने की शिकायतों और नलियां बढ़ाने से लेकर गांव में चल रही नल जल योजनाओं का काम लंबित होने जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों में मनमानियों का दौर इतना बड़ा हुआ है कि स्वयं पी एच ई मंत्री से शिकायतें करने और वहां से तत्काल निराकरण के आदेश के बाबजूद भी अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।ऐसा एक उदाहरण समीपी ग्राम पंचायत भौंरा में देखने को मिला है। जहां स्थानीय सरपंच द्वारा कलेक्टर महोदया से लेकर विभागीय मंत्री से पत्राचार कर ध्यान आकृष्ट कराया गया है वहां से लिखित आदेश होने के बाबजूद हालात जस के तस बनें हुए हैं।

विभिन्न वार्डों में समस्या

हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भौंरा के अंतर्गत सुन्हैटी और विचुआ देवरी ग्राम आते हैं। यहां पर जल जीवन मिशन का का लंबित पड़ा हुआ है। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों में लगभग 11 हेडपंप लगे हुए हैं लेकिन इनमें से अधिकांश हेंड पंप खराब स्थिति में है।सुन्हैटी के हरिजन और टोला मुहल्ला तथा भौंरा के विश्वकर्मा मुहल्ला का हेडपंप खराब स्थिति में है। यहां के सरपंच की शिकायत के आधार पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत रेट्रो फिटिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने समस्या ग्रस्त वार्डों में एक एक हेडपंप खनन मोटर डालने और टंकी की व्यवस्था हेतु आदेशित किया गया है लेकिन अभी तक कोई उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। उक्त आदेश हुये दो माह से अधिक होने को है।

बंधी सर्रा में भी गंभीर समस्या

ठेकेदारों की मनमानी का एक उदाहरण समीपी ग्राम बंधी सर्रा में भी देखने को मिल रहा है जहां पर लाखों रुपए की लागत से दो तीन साल में पानी की टंकी का निर्माण ना हो पाने की स्थिति में लोग परेशान बनें हुए हैं। टंकियां बनने के पूर्व ही निर्धारित मापदंडों को दरकिनार कर घटिया पाइप लाइन डाल दिये जाने से पाइप लाइन जहां तहां से टूट चुकी है। और पाइप लाइन बिछाने के लिए पक्की सड़कें खोदकर डाल दी गई है। यहां की महिला सरपंच श्रीमती रजनी नारायण लोधी द्वारा भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को जानकारी दी गई है लेकिन आज तक उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है।

बिजली की समस्या से बाधित हो रही पेयजलापूर्ति

इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीर समस्या बनी हुई है।नगर परिषद तेंदूखेड़ा क्षेत्र में करोंदी से आने वाले नर्मदा जल से ही पेयजलापूर्ति संभव हो पाती है। लेकिन यहां पर बिजली की अघोषित कटौती के चलते विद्युत मोटरों के माध्यम से पानी ना आ पाने के कारण आपूर्ति बाधित हो रही है।जरुरत मंद अपने निस्तार के लिए टेंकरों से पानी बुलाने के लिए मजबूर देखे जा रहे हैं।कुछ वार्डों के लोग यहां वहां से पानी भरकर लाते हुए देखे सुने जा रहें हैं।